'घटता बजट बढ़ती जिम्मेदारी'

दिनांक 08 अप्रैल 2023 को लोक चेतना समिति, कार्यालय, औढ़े में पंचायती राज अधिनियम, स्वशासन और ग्राम स्वराज को लेकर घटता बजट बढ़ती जिम्मेदारी विषय पर परामर्श संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आये प्रधानों द्वारा सभा को संबोधित करते हुए कहा गया कि पंचायती राज अधिनियम 73 वां संविधान संशोधन के अंतर्गत पंचायत को अपने ग्राम पंचायत के विकास के लिए योजना बनाने व उस पर काम करने का अधिकार दिया गया है। इसमें ग्राम स्वराज और स्वशासन की बात कही गई है। वर्तमान समय में स्थिति यह है कि पंचायत का बज़ट दिन पर दिन कम होता जा रहा है और जिम्मेदारी बढ़ती जा रही है। प्रधान लोग स्वतंत्र रूप से कोई योजना भी ग्राम विकास के लिए नहीं बना सकते हैं। तमाम तरह का दबाव उनके ऊपर अधिकारियों द्वारा बनाया जाता है। इसलिए उनकी माँग है कि उन्हें पंचायत राज अधिनियम के तहत मिले अधिकारों को पूर्णरूपेण दिया जाय, जिससे कि वे पंचायत को सशक्त बनाकर देश को मजबूत कर सकें। बैठक में देलहना, बेटाबर, रामपुर, माधोपुर के प्रधान तथा विशोखर के प्रधान प्रतिनिधि और अन्य लोगों की भी भागीदारी रही।

चेतना छात्रावास की पूर्व छात्राओं को सम्मान

चेतना छात्रावास में रहकर पढ़ने वाली बच्चियों के अभिभवकों की उपस्थिति में 2 वर्ष पढ़कर निकली छः छात्राओं को 10 वीं क्लास में अच्छे नंबर पाने पर सम्मानित किया गया। इन छात्राओं ने 10 वीं की शिक्षा संकट मोचन इंटर कॉलेज, सारनाथ से ग्रहण किया है। यह 6 लड़कियाँ मुसहर समुदाय की हैं। दिनांक 19 मई 2023 को चेतना छात्रावास में बुलाकर खंड शिक्षा अधिकारी, चिरईगॉव श्री स्कंद कुमार गुप्ता जी के हाथों बैग, कॉपी और कलम देकर सम्मानित किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी ने शिक्षा के महत्व के बारे में अभिभावकों को समझाया तथा लड़कियों का हौसला बढ़ाया। आगे की पढ़ाई जारी रखने तथा अपने पैरों पर खड़ी होकर स्वावलंबी बनने को प्रोत्साहित किया, जिससे उनके खुद के जीवन में बदलाव के साथ–साथ उनके परिवार में भी बदलाव आयेगा। आगे और जोर देते हुए कहा कि समाज भी उन्हें सम्मान की दृष्टि से देखने लगेगा।

शैक्षणिक भ्रमण : सखी वन स्टॉप सेंटर – एक ही छत के नीचे महिला समस्या का पूरा समाधान

महिला हिंसा, घरेलू हिंसा के खिलाफ आवाज़ उठाने व महिलाओं को इसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जानकारी देन हेतु सखी वन स्टॉप सेंटर पर चोलापुर, चिरईगाँव और काशी विद्यापीठ ब्लॉक की सक्रिय महिलाओं व किशोरियों का भ्रमण करवाया गया। सेंटर के पदाधिकारियों ने महिलाओं को सखी वन स्टॉप सेंटर के कार्य प्रणाली की जानकारी दी। लोक चेतना समिति की जिला समन्वयक पूनम जी ने आए हुए महिलाओं, किशोरियों व सखी वन स्टॉप सेंटर की पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए शैक्षणिक भ्रमण में आए सभी से आग्रह किया कि सखी वन स्टॉप सेंटर से अच्छी जानकारी प्राप्त करें। तत्पश्चात सखी वन स्टॉप सेंटर की प्रबंधक रश्मि जी ने सखी वन स्टॉप सेंटर की पॉच मूल सुविधाओं के बारे में बताया। सोशल काउंसलर प्रियंका जी के द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए चलाई जा रही सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। महिलाओं एवं किशोरियों के द्वारा बहुत सारे सवालों का आदान–प्रदान हुआ। बताया गया कि सखी वन स्टॉप सेंटर 8 मार्च 2016 से एक ही छत के नीचे महिलाओं की समस्या का समाधान किया जाता है।

लोक समिति की ब्लॉक स्तरीय बैठक

लोक समिति की ब्लॉक स्तरीय बैठक काशी विद्यापीठ ब्लॉक के औढ़े में किया गया जिसमें पूर्व बैठक का फॉलोअप, महिला बलात्कार और युवक की हत्या पर चर्चा व संगठन द्वारा समर्थन व सुझाव दिया गया। संगठन विस्तार की कार्ययोजना, थाना पर जाकर हत्या व बलात्कार के केस की प्रगति की जानकारी लेकर आगे की कार्यवाही हेतु रणनीति बनाई गई।

महिला चेतना समिति की बैठक

कार्यक्षेत्र के 2 ग्राम पंचायतों में महिला चेतना समिति की बैठक की गयी। जिसमें महिला हिंसा, महिला नेतृत्व, पंचायतों की वर्तमान स्थिति, महंगाई तथा महिला पहलवान के आंदोलन के समर्थन में बातचीत किया गया। महिला नेतृत्व और पंचायत में महिला संगठन की भूमिका, देशभर में हो रहे महिलाओं के ऊपर हिंसा और ग्राम सभा स्थाई समिति संगठन के निर्माण में महिला संगठन की भूमिका और सहयोग पर भी चर्चा किया गया।

पंचायत दिवस: 24 अप्रैल

पंचायत दिवस के दिन, 24 अप्रैल को, कार्यक्षेत्र के 14 ग्राम पंचायत में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत सशक्त हो तथा ग्राम पंचायत में वार्ड सदस्य के साथ–साथ ग्राम सभा सदस्यों की भूमिका सक्रिय हो इसको लेकर कार्यक्षेत्र के पंचायतों में पंचायती राज दिवस का आयोजन किया गया। पंचायती राज व्यवस्था के बारे में लोगों को जानकारी दी गई कि आज के दिन पंचायत को चलाने के लिए पंचायती राज व्यवस्था के तहत वार्ड सदस्य एवं प्रधान मिलकर कैसे गाँव के विकास

के लिए काम करेंगे इस पर रणनीति बनाई गई। वार्ड सदस्यों की जिम्मेदारी पर भी बातचीत हुई। दुर्भाग्यपूर्ण यह रहा कि कोई भी प्रधान पंचायत दिवस के दिन उपस्थित नहीं रहे, न दिवस का आयोजन किये। बल्कि कार्यक्रम में उपस्थित वार्ड सदस्यों द्वारा अपने–अपने वार्ड की समस्याओं का चिन्हीकरण करके प्रस्ताव तैयार कर प्रधान जी को दिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस

1 मई,अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर मजदूर संगठन के नेतृत्व में चिरईगाँव, चोलापुर, काशी विद्यापीठ और केराकत में सभा व संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मनरेगा मजदूर, असंगठित मजदूर, महिला एवं युवा भाग लिए। कार्यक्रम में आये हुए वक्ताओं ने मजदूरो एवं असंगठित मजदूरों की दशा पर चर्चा की। किसान–मजदूरों की समस्याओं के साथ–साथ बेरोजगारी, महंगाई गरीबी आदि पर भी बात हुई। वक्ता के रूप में आये हुए किसान नेता श्री लक्ष्मन जी का कहना था कि देश में 80 प्रतिशत लोग ऐसे हैं जो मेहनत करके अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं व देश की भी अर्थव्यवस्था को सुधारने में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं। लोक चेतना समिति के अध्यक्ष डॉ नीति भाई ने समाज में बढ़ रही महंगाई और बढ़ती गरीबी पर प्रकाश डाला, तथा आगे चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज की स्थिति यह है कि जन आंदोलन व मजदूर – किसानों का संघर्ष भी असफल दिख रहा है। लेकिन अपने अधिकारों के प्रति सचेत होने की जरूरत है। निजीकरण और बाजारीकरण के खिलाफ लड़ना होगा। मजदूरों की वर्तमान स्थिति का आंकलन किया जाये तो उनकी स्थिति दिन–प्रतिदिन दयनीय होती जा रही है। मजदूरों के हित के खिलाफ कानून बनाए जा रहे हें, मनरेगा में भी बजट कम किया जा रहा है। इसके खिलाफ़ मजदूरों को संगठित होकर आवाज़ उठानी होगी और अपने अधिकारों को पाने के लिए संघर्ष करना होगा।

सम्पूर्ण क्रांति दिवस :"सम्पूर्ण क्रांति और लोकतंत्र"

सम्पूर्ण क्रांति दिवस की पूर्व संध्या पर "सम्पूर्ण क्रांति और लोकतंत्र" पर संगोष्ठी का आयोजन मुख्य कार्यालय चिरईगाँव में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन व क्राति गीत से की गई। तत्पश्चात् कार्यक्रम का विशय प्रवेश करते हुए विजय नारायण भाई ने कहा कि, आज हम सब यहाँ संम्पूर्ण क्रांति दिवस की पूर्व संध्या पर उपस्थित हैं। संम्पूर्ण क्रांति का अर्थ है परिवर्तन या नव निर्माण। संपूर्ण क्रांति कोई गद्दी छीनने या सत्ता हथियाने की लड़ाई नहीं है, बल्कि व्यवस्था परिवर्तन, प्रक्रिया परिवर्तन और नव निर्माणकी बात है। संपूर्ण क्रांति समस्त जनता की क्रांति है। भारत को लोक तांत्रिक देश कहा जाता है और लोकतंत्र में जनता मालिक होती है और जनता अपने प्रतिनिधिको देश को चलाने की जिम्मेदारी देती है। वह जनता का सेवक होता है मालिक नहीं। लोकतंत्र के चार स्तंभ होते हैं – विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया, ये चारों स्तंभ की अपनी अपनी जिम्मेदारी है। अगर यह स्तंभ मजबूत है तो लोकतंत्र मजबूत होगा। इसकी मजबूती के लिए आज सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक, बौद्धिक, शैक्षिक, आध्यात्मिक क्रांति यानी संपूर्ण क्रांति की जरूरत है। यह क्रांति युवा ही ला सकते हैं। इसलिए युवाओं को आगे आना होगा।

प्रोफेसर महेश विक्रम सिंह ने सम्पूर्ण क्रांति और लोकतंत्र पर अपनी बात रखते हुए कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की बड़ी ताकत है और हम सब मानव होने के नाते सभी का दायित्व है कि जय प्रकाश नारायण जी के संपूर्ण क्रांति के सपने को साकार करना है। पूर्व ग्राम प्रधान संघ के अध्यक्ष बाल किशुन पटेल ने कहा कि अगर वर्तमान परिस्थितियों से हमको बाहर निकलना है तो जय प्रकाश जी के विचारों को आत्मसात करना पड़ेगा। डॉ नीति भाई ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि लोकतंत्र में लोगों की सरकार होती है। जनता के द्वारा, जनता के लिए सरकारें होती हैं। संपूर्ण क्रांति का उद्देश्य समाज की व्यवस्था में परिवर्तन ही लोकतंत्र की असली पहचान है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं और महिलाओं की भागीदारी थी।

संपूर्ण क्रांति दिवस : गाँधी और जेपी की विचारधारा पर सम्मेलन

5 जून संपूर्ण क्रांति दिवस के अवसर पर राजघाट परिसर में आयोजित सम्मेलन मे गाँव की सक्रिय महिलाएं एवं एलसीएस के सभी साथी सक्रिय भागीदारी किए। सम्मेलन शुरू करने से पहले सभी गांधीजनों ने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं लोक नायक जयप्रकाश की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ठ गांधीवादी अजय शेखर और संचालन अरविंद अंजुम ने किया। सम्मेलन में विभिन्न प्रस्तावों को पारित किया गया। सम्मेलन में यह तय किया गया कि संपूर्ण क्रांति से अगस्त क्रांति दिवस तक जेपी की प्रतिमा के सामने लगातार सभा किया जायेगा। इस सभा में क्रमवार पूर्वांचल के जिलों एवं सामाजिक संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी। सम्मेलन में स्थानीय लोगों के साथ साथ अन्य राज्यों और जिलों से 150 से अधिक की भागीदारी रही और लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए।

15 दिवसीय स्कूल चलो अभियान

कार्यक्षेत्र के सभी ग्राम पंचायतों में स्कूल चलो अभियान का आयोजन 1 मई से 15 मई 2023 तक किया गया। अभियान का उद्देश्य था, एक भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित न रह जाये और जो बच्चे पांचवीं और आठवीं की पढ़ाई करके स्कूल नहीं जा रहे हैं, उन्हें भी स्कूल से जोड़ जाए। इस अभियान में संगठन के लोग, युवा और स्कूल के बच्चे शामिल हुए। उनके द्वारा रैली और सभा का आयोजन किया गया। स्कूलों में संपर्क किया गया। विशेषकर उन बच्चों की जानकारी ली जिनका स्कूल में नामांकन हुआ है, सिर्फ सरकारी सुविधा लेते हैं और स्कूल नहीं जाते हैं। अभियान की बदौलत 185 बच्चों का प्राइमरी स्कूल में, 60 बच्चों का जूनियर हाईस्कूल में नामांकन करवाया गया। अभियान के दौरान पता चला कि 250 बच्चे हैं जिनका नाम स्कूल में है लेकिन कभी स्कूल नहीं जाते हैं। उनके अभिभावकों को जागरूक करके बच्चों के पढ़ाई के महत्व को समझाया गया जिससे 185 बच्चे नयमित स्कूल जाने के तैयार हुए हैं।

ईद मिलन पर सर्वधर्म प्रार्थना

लोक चेतना समिति सभी धर्मों के त्यौहारों में से विशेष त्यौहार के अवसर पर समय समय पर सर्वधर्म समभाव और आपसी प्रेम बढ़ाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन करती है। ग्रामीण क्षेत्रों में सभी धर्मों के साथ आपसी भाईचारे के लिए निरंतर कार्य करती है। हर वर्ष की भाँति, ग्रामीण क्षेत्र के सभी जाति और धर्म की महिला एवं पुरूषों को एकत्रित करके मुख्य कार्यालय में ईद मिलन का समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने सभी धर्मों में इंसानियत प्रेम वाले मुद्दे को प्रकाशित करके बात किया। सभी लोगों ने अपने वक्तव्य में कहा कि इंसानियत से बढ़कर कोई धर्म नहीं होता। अगर धर्म में किसी प्रकार का भेदभाव और गैर बराबरी की बात की जाती है तो उसे छोड़ना चाहिए। जिसमें सभी का हित और सम्मान हो उन्हीं चीजों को अपने जीवन मं आत्मसात करना चाहिए। इस अवसर पर वक्ता के रूप में डाक्टर मोहम्मद आरिफ, डॉ जयंत भाई, फादर आनंद–विश्व ज्योति संचार केंद्र, श्री लाल बहादुर – चिरईगाँव ग्राम प्रधान संघ के अध्यक्ष और डॉ नीति भाई की भागीदारी रही।

डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती पर संगोष्ठी

अंबेडकर जयंती पर "डॉ भीमराव अंबेडकर एवं संवैधानिक समाज निर्माण" के विषय पर संगोष्ठी का आयोजन लोक चेतना समिति के मुख्य कार्यालय चिरईगाँव और काशी विद्यापीठ के विशोखर पंचायत के औढ़े में किया गया। उपस्थित वक्ताओं ने अंबेडकर जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अंबेडकर जी का जीवन बहुत ही संघर्षमय था। वह बड़े विद्वान थे, और अच्छे इंसान थे। समाज के दलितों और महिलाओं के हित में, उनके उत्थान के लिए तमाम सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज़ उठाए थे। संविधान निर्माता

की भूमिका में, संवैधानिक समाज निर्माण की दिशा में उनके अतुलनीय योगदान को याद किया गया। अंबेडकर जी ने महिला और दलित समाज के लोगों को एक रास्ता दिखाया जिस पर चलने की जरूरत है। कार्यक्रम में वक्ता के रूप में रामदुलार, मनीश शर्मा, डॉ कमलेश, डॉ नीति भाई, पूनम और डॉ जयंत भाई की भागीदारी रही।

संवैधानिक समाज निर्माण में युवाओं की भूमिका पर स्कूलों में कार्यशाला

संवैधानिक समाज निर्माण में युवाओं की भूमिका विषय पर स्कूलों और कॉलेजों में कार्यशाला चलायी गयीं। संविधान के बारे में सही जानकारी देना, प्रस्तावना के मुख्य बिंदुओं पर चर्चा करके समझ बनाना, संविधान से मिले मूल अधिकार, मौलिक कर्तव्य को लेकर युवाओं के साथ बातचीत, ग्रुप चर्चा करना मुख्य उद्देश्य थे। संविधान की उद्देशिका पर समझ विकसित किया गया और सभी छात्रों ने शपथ लिया कि वे संविधान के रास्ते पर चलने का प्रयास करेंगे और समाज को दिशा देने में योगदान देंगे। पिछले 6 माह में 11 कॉलेजों में 516 छात्र–छात्राओं की भागीदारी हुई

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस

28 मई को विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के उपलक्ष्य में चिरईगाँव मुख्य कार्यालय और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चोलापुर में ब्लॉक स्तर का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में किशोरियों और युवा महिलाओं की भागीदारी थी। उपस्थित डॉक्टर, एएनएम, सीएचओ और संस्था के कार्यकर्ताओं द्वारा मासिक स्वच्छता पर विस्तृत जानकारी दी गई। किशोरियों ने अपने अनुभव को साझा किया। उनका कहना था कि माहवारी को अशुद्ध मानकर उनके साथ समान व्यवहार नहीं किया जाता है, कुछ जगह प्रवेश करने से रोक है, माहवारी चक्र के दौरान कुछ कार्य करने से वंचित हैं। गाँव में सोच नहीं बदली है। किशोरियों को सुनने के पश्चात् विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई कि मासिक धर्म को आज भी भारतीय समाज में एक टैबू माना जाता है। माताएं अपनी बेटियों के साथ इस विषय पर बात करने से हिचकिचाती हैं और उनमें मासिक धर्म पर वैज्ञानिक ज्ञान की कमी है। माहवारी चक्र को लेकर बहुत सारे अंधविश्वास एवं भ्रांतियाँ भी हैं। इन तमाम मुद्दों पर चर्चा कराकर समझ बनाया गया। माहवारी चक्र के समय पौष्टिक आहार का सेवन करना, साफ सुथरा रहना, इससे संबंधित बीमारियों को न छुपाना आदि बातें खुलकर हुईं। किशोरियाँ और महिलाएं समाज में बदलाव का संकल्प लेकर गईं।

महिलाओं का नेतृत्व विकास प्रशिक्षण

संगठन के कार्यों में नेतृत्व देने वाली महिलाओं की नेतृत्व क्षमता की वृद्धि हेतु जौनपुर के केराकत ब्लॉक के अंतर्गत रतनूपुर, चोलापुर ब्लॉक के मुनारी,काशी विद्यापीठ के औढ और मुख्य कार्यालय चिरईगॉव लोक चेतना समिति कार्यालय में गाँव की महिलाओं को नेतृत्व विकास प्रशिक्षण दिया गया। महिलाएं काफी रूचि दिखाईं। ग्रुप चर्चा में बहुत उत्साही दिखीं। बताया गया कि समाज पुरूष प्रधान है, महिलाओं को बराबरी में लाने के लिए सभी लोगों को सहयोग करना होगा। महिलाओं को नेतृत्व देने के लिए संविधान में आरक्षण की व्यवस्था की गई है जिससे महिलाएं नेतृत्व करें तथा देश की व्यवस्था बदलने में अपनी भूमिका निभाएं। आरक्षण की देन है कि महिला प्रधान, सदस्य, ब्लॉक प्रमुख बन रहीं हैं, लेकिन अधिकांश महिलाएं घर के पुरूषों के हाथ का मोहरा बनी हुई हैं। महिलाओं की स्थिति में बदलाव लाना है तो नेतृत्व लेना होगा।

विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक

उदयचंदपुर, गोबरा में प्राथमिक विद्यालय पर विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक की गयी। बैठक में एसएमसी सदस्य, ग्राम प्रधान और संगठन के लोगों की भागीदारी रही बैठक में कार्यक्रम संयोजक अनिल ने शिक्षा अधिकार अधिनियम पर चर्चा की। अभिभावकों की जिम्मेदारी पर भी चर्चा की कि जिन बच्चों का स्कूल में नामांकन हुआ है उनमें से कुछ स्कूल नहीं जा रहे हैं। इस समस्या को हल करने के लिए एसएमसी के कुछ सदस्यों ने उन बच्चों को स्कूल लाने की जिम्मेदारी ली है। स्कूल की बुनियादी व्यवस्था पर भी चर्चा हुई, जैसे छत की मरम्मत, शौचालय की साफ–सफाई आदि। बजट के ग्राम बारे

में प्रधान से बात करने का फैसला लिया गया।

गॉव के झगड़े, पारिवारिक समस्या का समाधान

कार्यक्षेत्र से आयी समस्यायें ज्यादातर पारिवारिक होती है। लोक चेतना समिति, इन समस्याओं का आंकलन करके समाधान की दिशा में काम करती है। संगठन की पहल पर समाधान किये एक केस का जिक्र है : प्रथम पक्ष रेशमा, पुत्री राजाराम, ग्राम पारापाटी के निवासी, द्वितीय पक्ष, विवेक पुत्र रामस्वरूप, ग्राम पुरेधूरशाह के निवासी हैं। इन दोनों की शादी 30 मई 2018 को परिवार के लोगों ने किया था। प्रथम पक्ष का कहना है कि शादी के बाद से जब से ससुराल गई है, कुछ दिन बाद से ही प्रताड़ित करने लगे । कई बार पंचायत करने के बाद भी ससुराल वाले और पति के व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आया। इस समस्या के समाधान हेतु ग्राम प्रधान, वार्ड सदस्य, ग्राम सभा स्थाई समिति की पदाधिकारी, महिला चेतना समिति की पदाधिकारी की उपस्थिति थी। संगठन के नेतृत्व में दोनों पक्ष की समस्याएं सुनकर, कोर्ट कचहरी के बाहर गांव में ही पंचायत करके दोनों का तलाक करवा दिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस

प्रतिवर्श 12 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाता है। काशी विद्यापीठ, केराकत, चोलापुर और चिरईगाँव के ग्रामीण क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर युवा व किशोरी संगठन के नेतृत्व में युवाओं के साथ देश की वर्तमान स्थिति एवं संविधान के विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। देश की वर्तमान स्थिति, बढ़ती गरीबी, बेरोजगारी व सामाजिक भेदभाव पर युवाओं का ध्यान आकर्षित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि देश में आज भी एक बड़ा वर्ग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहा है। इसका एक हिस्सा गांवों में रहता है, गरीबी का मुख्य कारण है लोगों के पास रोजगार का न होना और अनियंत्रित महंगाई। संवैधानिक मूल्यों का पतन हो रहा है, सामाजिक भेदभाव व वैमनस्यता समाज में फैल रहा है। देश में सामाजिक असमानता और आर्थिक असामनता को समाप्त करने के लिए युवाओं को आवाज उठाना होगा। कार्यक्रम में लगभग 45 ग्राम पंचायतों से 256 युवाओं की भागीदारी रही।

विश्व साक्षरता दिवस : "हम और हमारा संविधान" विषय पर इंटर कॉलेज की छात्र–छात्राओं के साथ कार्यशाला

दिनांक 8 सितंबर विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर "हम और हमारा संविधान" पर इंटर कॉलेज की छात्र–छात्राओं के साथ कार्यशाला का आयोजन, चार ब्लॉक के 10 इंटर कॉलेजों में किया गया। वक्ताओं ने संविधान की प्रस्तावना, संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार, नागरिकों के कर्तव्य, लोकतंत्र पर विस्तृत चर्चा करने के साथ–साथ, देश की वर्तमान स्थिति पर तुलनात्मक विचार विमर्श किया। चर्चा के बाद छात्र छात्राओं ने संविधान की रक्षा करने का संकल्प के साथ, संविधान के रास्ते पर चलने हेतु सार्वजनिक रूप से शपथ ली। कार्यशाला के संचालन में सभी स्कूलों के अध्यापकों और प्रधानाचार्यों का पूर्ण सहयोग रहा।

समूह क्लस्टर प्रशिक्षण

समूह के सदस्यों की भूमिका, समूह नियमावली, महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति तथा देश की अन्य समस्याओं को जोड़ते हुए, 10 क्लस्टर के 60 समूह से आए हुए 174 महिला सदस्यों के साथ प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। समूह की वर्तमान स्थिति, बचत बैठक व पंचायत में समूह की पहचान व भूमिका पर भी मूल्यांकन किया गया। समूह सदस्यों की भूमिका व समूह नियमावली पर समझ बनाते हुए कहा गया कि समूह की महिलाओं को सिर्फ आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए ही नहीं बल्कि उसके साथ–साथ सामाजिक रूप से भी सशक्त करने के उद्देश्य से बनाया गया है।बताया गया कि संविधान में महिलाओं को बराबरी का अधिकार दिया है पर उसे पाने के लिए संगठित होकर प्रयास करने की जरूरत है। पंचायत में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाने की जरूरत है। इस आजाद देश में आज भी महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। तमाम बुराईयों के खिलाफ संगठित होकर

आवाज़ उठाना होगा। गलत सही को पहचान कर विरोध करना होगा और जनप्रतिनिधियों से सवाल–जवाब करना होगा।

मनरेगा संगठन की खंड स्तरीय बैठक

एलसीएस के तीनों ब्लॉकों, चोलापुर, चिरईगॉव और काशी विद्यापीठ में मनरेगा का खंड स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। मजदूरों की वर्तमान स्थिति पर चर्चा करने से निकल कर आया कि रोजगार सेवक कुछ खास लोगों को काम देते हैं और वर्ष भर अधिकतर मजदूरों को सिर्फ 10 से 15 दिन का काम मिलता है। अधिकतर गाँवों में काम ही नहीं मिल रहा है। महॅगाई के हिसाब से श्रमिकों की मजदूरी नहीं बढ़ रही है। मनरेगा श्रमिकों से डिजिटल हाजिरी लगाना अनिवार्य कर देने से बहुत परेशानियाँ झेलना पड़ता है। साथ–साथ श्रमिकों को भी कार्यस्थल पर मोबाइल एप अनिवार्य करने से परेशानियाँ और बढ़ी हैं। बहुत सारे तकनीकी कारणों से काम का भुगतान भी नहीं हो पाता है।

बैठक में श्रम विभाग की 11 योजनाओं के बारे में तथा इन योजनाओं से मिलने वाले लाभ पर चर्चा की गई एवं समझ बनाइ गई। किन योजनाओं का लाभ किन–किन श्रमिकों को मिला है इस पर भी चर्चा करते हुए, संघर्ष करते रहने के संकल्प के साथ बैठक का समापन हुआ।

महिला चेतना समिति खंड स्तरीय बैठक

एलसीएस के चार ब्लॉकों, चोलापुर, चिरईगॉव, काशी विद्यापीठ और केराकत में महिला चेतना समिति की खंड स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के मुख्य बिन्दु इस प्रकार हैं: संगठन की स्थिति, संगठन द्वारा पंचायत में किये गये कार्यों का मूल्यांकन, पंचायत में महिलाओं की स्थिति, देश में महिलाओं की स्थिति, एवं अन्य मुद्दे।

सर्वप्रथम संगठन द्वारा पंचायत मे किये गये कार्यों का मूल्यांकन किया गया जिसमें निकलकर आया कि संगठन के माध्यम से महिला हिंसा रोकने, जनसहयोग से शादी कराने, आवास योजना का लाभ, मिड डे मील की जाँच व विद्यालय की निगरानी, पंचायत में भागीदारी, इत्यादि का काम हो रहा है। अपने अपने गाँव में संगठन की पहचान भी बनी है पर अभी भी संगठन को और मजबूत करने की आवश्यकता है। उपस्थित महिलाओं का तीन ग्रुप में चर्चा करवाया गया उससे निकलकर आया कि पंचायत व समाज में महिलाओं की स्थिति का आंकलन किया जाय तो अभी भी महिला हिंसा, घरेलू महिला हिंसा हो रही है। आरक्षित महिला प्रतिनिधियों को बाहर निकालने में पूर्ण सफलता नहीं मिली है। समझ बनायी गयी कि महिला अधिकार पाने और महिला हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने के साथ पंचायत में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने में संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम में 51 ग्राम पंचायतों से 404 महिलाओं की भागीदारी रही।

संवैधानिक समाज निर्माण पदयात्रा

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर लोक समिति वाराणसी के तत्वावधान में युवा संगठन, चिरईगॉव के द्वारा ग्राम पंचायत जाल्हूपुर अंबेडकर पार्क से लेकर संत रविदास मंदिर, पंचरांव तक पदयात्रा का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम पंचायत उकथी, बर्थराकला, पिछवारी, जाल्हूपुर, छितौना, विशुनपुरा, मुस्तफाबाद,पचरॉव, चांदपुर, अंबा, नरायनपुर आदि गाँव से लगभग डेढ़ सौ लोगों की भागीदारी रही। पदयात्रा का शुभारंभ महिला चेतना समिति, चिरईगॉव की ब्लॉक अध्यक्ष के द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। पदयात्रा का उद्देश्य भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकार के साथ सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय का मुख्य लक्ष्य तथा व्यक्तिगत हित और सामाजिक हित के बीच सामंजस्य स्थापित करना। यात्रा अंबेडकर पार्क जाल्हूपुर बाजार होते हुए पिछवारी, पदयात्रा का समापन संत शिरोमणि रविदास मंदिर पंचरांव में एक सभा करके किया गया। 11 पंचायत के लोगों की भागीदारी रही।

NEWS Paper Cutting

अमर उजाला

मजदूरी बढ़ाने और नियमित काम की मांग

चिरईगांव। मनरेगा मजदूर यूनियन व लोक चेतना समिति के सदस्यों ने विभिन्न मांगों को लेकर प्रभारी खंड विकास अधिकारी चिरईगांव को ज्ञापन सौंपा। लोक चेतना समिति की बंदना सिंह ने कहा कि देश में 80 प्रतिशत लोग ऐसे हैं जो मेहनत करके अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं और देश की अर्थव्यवस्था को सुधारने में अहम भूमिका निभाते हैं, लेकिन उन्हें मेहनत की उचित कीमत नहीं मिल रही है। संवाद

ईद मिलन के अवसर पर सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन

अपने हक के लिए संगठित हों श्रमिक

पंचायत दिवस का किया गया आयोजन

• जागरुक एक्सप्रेस, संवाददाता

वाराणसी। सोमवार को ग्राम पंचायत मुस्तफाबाद में ग्राम सभा स्थाई समिति के सहयोग से पंचायत दिवस पर एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आज के उद्देश्यों को बताते हुए जिला संयोजक सुजीत कुमार ने कहा की पंचायत दिवस के महत्व को बताया। पंचायत की समस्याओं को कोशिश किया जाए की अपने ही पंचायत में समाधान किया जाए मगर ऐसा होता नहीं। पहुत पहले ऐसा हुआ करता था मगर आज लोग अपने काम में इतना बिजी हो गए है कि स्वार्थ की भावना हो गया। हम लोग गांव के रहने वाले है। यह परंपरा थी कि अपने पड़ोसी को भी बांट कर खाए। मगर अब ऐसा नही है क्यों लोगो के अंदर से इंसानियत खत्म होती जा रही है। आप सभी को जरूरत है की सब कुछ ग्राम प्रधान पर ना छोड़ा जाए कुछ अपनी जिम्मेदारी भी होता है। जरूरत है सत्ता का विकेंद्रीकरण की हर लोग सोचे की प्रधान जी करे तो ये समय लगेगा पंचायत में चुने हुए जितने भी वार्ड सदस्य है यदि अपने अपने वार्डों में बैठक करे और प्रस्ताव को रखे उसे शामिल करे। वार्ड सदस्य लालमोहर जी ने कहा जी लोगो को समझने की जरूरत है को लोग सभी सदस्यों को समझें और हम अपने वार्ड में बैठक करेंगे। राम बचन निषाद और जियुत निषाद ने भी अपनी बात रखी। बड़ी संख्या में मुस्तफाबाद रेता पार के लोग बैठक में शामिल थे। वंदना सिंह, चारु, विमला आदि ने बैठक को सफल बनाने में योगदान दिया।

ईद मिलन के अवसर पर सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन

चिरईगांव क्षेत्र वाराणसी। आज दिनांक 26 अप्रैल 2023 को चिरईगांव स्थित लोक चेतना समिति के सभागार में ईद मिलन के उपलक्ष्य में सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर डॉक्टर मोहम्मद आरिफ ने ईद उल फित्र को प्रेम और भाईचारे का पैगाम देने वाला त्यौहार बताया। विषय प्रवेश करते हुए जयंत भाई ने कहा ईद का त्योहार न केवल दिलों को जोड़ता है बल्कि गैर बराबरी की खाई को दूर करता है।

विश्व ज्योति संचार के फादर आनंद ने ईद के त्यौहार को त्याग, समर्पण और करुणा का प्रतीक बताया।

चिरईगांव ग्राम प्रधान संघ के अध्यक्ष श्री लाल बहादुर पटेल ने सभी को आपस के भेदभाव भूलकर एक साथ चलने का आह्वान किया।

अध्यक्षीय सन्देश देते हुए डॉ0 नीति भाई ने कहा समाज को जोड़ने, एक साथ मिलजुल कर चलने के लिये सभी धर्मों के त्यौहार प्रेरित करते हैं,हमें इनके मर्म को समझना है। ईद का त्यौहार नफरत भरे माहौल में एक साथ मिलजुल कर रहने का पैगाम देता है

प्रार्थना सभा का आरंभ दीप प्रज्ज्वलन और सर्व धर्म प्रार्थना के साथ हुआ। संचालन फातिमा और पूनम जी ने, आगंतुक प्रतिभागियों का स्वागत प्रियंका ने और धन्यवाद ज्ञापन राजेश सिंह के द्वारा किया गया। आयोजन को सफल बनाने में रुखसाना, वंदना, सुरेंद्र , चारु समेत लोक चेतना समिति के साथियों का सहयोग था।

अधिकार पाना है तो संगठित होना जरूरी

काशी विद्यापीठ/वाराणसी। स्थानीय विकास खंड के औढ़े गांव स्थित लोक चेतना समिति कार्यालय में शनिवार को अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में 'अम्बेडकर एवं संवैधानिक समाज निर्माण' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि हमारा समाज जाति व धर्म के आधार पर बंटा हुआ था। देश में छुआछूत, जातीय व धार्मिक भेदभाव, अमीरी-गरीबी की खाई बहुत ही गहरी थी। इस खाई को पाटने के लिए अंबेडकर की अगुआई में देश के संविधान का निर्माण किया गया और उसमें सभी धर्मों, जातियों व लिंग को बराबरी का अधिकार दिया गया। इस दौरान परमिता, अखिलेश, पूनम, शर्मिला, रामकिशन, सुशील, रचना, प्रियंका, राधेश्याम आदि थे।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण पर निकाली रैली

लखनऊ, बुधवार 19 अप्रैल, 2023

चेतना समिति चिरईगांव एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया

हफीजुल्ला वारसी

वाराणसी। लोक चेतना समिति चिरईगांव के तत्वाधान में एक दिवसीय संविधानिक समाज निर्माण में युवाओं की भूमिका विषय पर प्रशिक्षण का कार्यक्रम बंदना दीदी के तत्वाधान में आयोजित किया गया। बंदना दीदी के द्वारा अपना परिचय देते हुए संस्था के उद्देश्यों को बताने के साथ ही आए हुए वक्ताओं का परिचय करवाया गया। वक्ताओं के क्रम में जिला संयोजक लोक चेतना समिति चिरईगांव सुजीत कुमार जी, ब्लॉक संयोजक चिरईगांव रणजीत कुमार, तथा वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्र जी का युवा साथियों से परिचय करवाया गया ।इसके पश्चात सर्वप्रथम वक्ता की कड़ी में सुजीत भैया द्वारा बच्चों को संवैधानिक हक और अधिकार के बारे में बताते हुए जागरूक किया गया, कि किस प्रकार आज वर्तमान परिपेक्ष और समाज को देखते हुए युवाओं को समाज में निकल कर नेतृत्व अपने हाथ में लेने की जरूरत है, और युवाओं को अपनी दिशा और दशा दोनों ही तय करनी पड़ेगी, नहीं तो आने वाला भविष्य कितना अंधमय होता जा रहा है। यह सोचने की बात होगी ,कि उनके द्वारा बीच–बीच में उदाहरणों के माध्यम से बच्चों में समझ बनाने की बेहतर कोशिश की जा रही थी। वक्ताओं की अगली कड़ी में कार्यक्रम को गति देते हुए सुरेंद्र भैया द्वारा बताया गया पंचायती राज व्यवस्था में पंचायतों को लेकर क्या–क्या व्यवस्था चल रही है, और किस प्रकार काठ का उल्लू सरकार प्रधानों को बनाकर उनका शोषण कर रही है ।गांधीजी के सपने और अंबेडकर के सपनों जैसा भारत बनाने का जो सपना महापुरुषों ने देखा था, उसको कुचलते हुए सरकार आगे बढ़ रही है। सरकार चुनने के बाद संविधान को अपने अपने हिसाब से यूज करती हैं, कार्यक्रम को गति देते हुए ब्लॉक संयोजक रणजीत कुमार के द्वारा युवाओं के अंदर अनुशासन को लेकर बात रखी गई ,क्योंकि जब तक उनके बीच में अनुशासन नहीं होगा यह सारी बातें बताना कहना सुनना सब व्यर्थ होगा ,क्योंकि एक अनुशासित व्यक्ति अथवा युवा ही समाज को एक नई दिशा अथवा गति दे सकता है, अन्यथा हमारे आने और बताने का प्रयास निरर्थक साबित होगा। इसलिए युवाओं को अपनी सोचो में परिवर्तन लाना होगा ,और तमाम महापुरुषों की विचारधाराओं को आत्मसात कर अपने आपको समाज के विकास में आगे लाना होगा। जिससे तीसरी सरकार ग्राम सरकार का सपना साकार होने की तरफ बढ़ा जा सकता है। आगे की कड़ी में वन्दना दीदी के द्वारा कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई ,कार्यक्रम में बरीयासनपुर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य शिक्षकों का काफी सराहनीय योगदान रहा। जिसके लिए संस्था की ओर से पर्सनल मिलकर तीनों वक्ताओं के द्वारा उनको धन्यवाद दिया गया।

हिण्डाल्को में त्रिवा

अधिकारों को पाने के लिए किया गया संगठन का निर्माण

चिरईगांव। क्षेत्र वाराणसी। ग्राम पंचायत नेवादा के पंचायत भवन पर शुक्रवार को ग्राम सभा स्थाई समिति का गठन किया गया। जिसमे विषय प्रवेश करते हुए रणजीत कुमार ने कहा की ग्राम सभा स्थाई समिति का गठन करने का उद्देश्य पंचायत के विकास के लिए सभी ग्राम सभा का भागीदारी हो व सभी निर्णय में सभी जाति,धर्म,लिंग की भागीदारी हो सके। लेकिन हम लोग देखते है पंचायत की सभी जिम्मेदारी केवल ग्राम प्रधान व सेकेट्री ही लेते है। अब हमे अपने पंचायत सदस्यों को भी सक्रिय कराकर उसमे हम सभी संगठित होकर पंचायत के विकास के लिए प्रयास कर सकते है। वक्ता के रूप मे वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्र सिंह ने कहा की पंचायत पंचायत राज अधिनियम में पंचायत को तीसरी सरकार का नाम दिया गया है।

लेकिन पंचायत का विकास केवल राज्य सरकार और केंद्र सरकार के ऊपर ही निर्भर है। पंचायत के प्रतिनिधि केवल ऊपर के सरकार पर ही निर्भर है।पंचायत में न तो पंचायत सदस्य ही सक्रिय होते न ही वार्ड की बैठक ही होती है। पंचायत में योजना नही बनाई जा रही बल्कि दूसरे की योजना पर काम होता है। ग्राम सभा स्थाई समिति का मुख्य उद्देश्य पंचायत में सभी मुद्दे पर पंचायत पर दबाव डालकर लोक हित के लिए प्रयास करें। आगे बैठक की कड़ी में चारु जी के द्वारा प्रतिभागियों के सर्वसम्मति से संयोगिता जी को अध्यक्ष, मंगल जी को उपाध्यक्ष,कविता जी को कोषाध्यक्ष, अनंत नारायण जी को सचिव, पार्वती जी व सावित्री जी को सूचनामंत्री, रीता जी को संगठनमंत्री चुना गया। वक्ता के रूप में वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता पूनम जी ने कहा की कहा जाता है पंचायत की चुनाव में साड़ी,मुर्गा,शराब का लेना व देना एक प्रचलन सा है जिसमे सभी प्रत्याशी का ज्यादा पैसा खर्च करते है जिसमे प्रधान जीतने के बाद अपनी भरपाई में लग जाते हैं। हमारे पंचायत मे सरकारी कर्मचारी काम यादि नही करते है,पंचायत में महिला उत्पीड़न हो,शिक्षा का सही माहौल नही हो,जाति भेदभाव हो ,उन सभी पर काम करने लिए व परिवर्तन के लिए आप सभी की जिम्मेदारी है कि संगठित होकर एक बेहतर समाज निर्माण में अपनी भूमिका निभाए।बैठक में 6 पंचायत सदस्य आशा , आगनवाड़ी , सफाई कर्मी सहित 68 प्रतिभागी की भागीदारी रही। मुख्य रूप से आज के बैठक को सफल बनाने सराहनीय योगदान दिए अनन्त नारायण जी और उनके द्वारा पंचायत के समस्याओं के कैसे खत्म किया जाए प्रकाश डाले है लोक चेतना समिति से पूनम जी,सुरेंद्र जी, रणजीत कुमार,संतोष कुमार,चारु व पूजा का सहयोग रहा।

...य निर्वाचन के दृष्टिगत प्रशासन गम्भीर

...रिस्थितियों के दृष्टिगत दंगाध्बलवा

सासनी गेट अंत...

विस्फोट, काम ...

अलीगढ़। यूपी के अलीगढ़ में ढलाई की भट्टी में अचानक विस्फोट हो गया। जिससे वहां काम कर रही एक युवती समेत तीन लोग घायल

लोक चेतना समिति द्वारा मनाया गया अम्बेडकर जयंती

• जागरुक एक्सप्रेस, संवाददाता

वाराणसी। शुक्रवार को ग्राम पंचायत शंकरपुर में मांझारी वीर बाबा के मंदिर के प्रांगण में लोक समिति के तत्वाधान में लोक चेतना समिति के सहयोग से डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती का आयोजन किया गया, जिसमें आए हुए अतिथियों को मंचासीन कराया गया उसके पश्चात अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलन व बाबा साहब के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए, कार्यक्रम की शुरूआत की गई। आए हुए अतिथियों का स्वागत सामाजिक कार्यकर्ता भवानी उर्फ चारु के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का विषय था अंबेडकर संवैधानिक समाज निर्माण विषय प्रवेश करते हुए वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता लोक चेतना समिति के सुरेश कुमार के द्वारा विषय को केंद्रित करते हुए डॉक्टर साहब डॉक्टर बी आर अंबेडकर के जीवन के संघर्षों वह विचारों पर समझ बनाते हुए अपनी बातों को रखें कार्यक्रम को गति देते हुए सामाजिक कार्यकर्ता धर्मेंद्र यादव के द्वारा जीवन दर्शन पर बात रखी गयी कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए सामाजिक कार्यकर्ता झूला जी द्वारा जाति धर्म से ऊपर उठकर समाज को गति देने के पक्ष मे बाते रखी कार्यक्रम आगे बढ़ाते हुए अगले वक्ता के रूप मे मुन्नु मौर्या जी ने अपनी बातो को रखते हुए संविधानिक अधिकार की बात किये।कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए लोक चेतना समिति के सचिव डॉक्टर जयंत रसल के द्वारा संविधानिक समाज बनाने के ऊपर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की सोच थी और किस प्रकार की परिकल्पना थी उस पर अपनी बात रखें कार्यक्रम में एनम चंदा बिरामी वंदना नाथूराम तथा ग्राम संगठन की वंदना इत्यादि लोगों ने अपने विचार रखा की कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान शंकरपुर मुन्ना यादव जी द्वारा किया गया कार्यक्रम के आखिर में सामाजिक कार्यकर्ता और लोक चेतना समिति ब्लॉक संयोजक रणजीत कुमार के द्वारा अपनी बात रखते हुए आए हुए अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। शंकरपुर और सिवा से सैकड़ों महिला पुरुषो की भागीदारी रही है। कार्यक्रम को सफल बनाने में माधुरी सुस्मा वंदना सालू निशा आशा जी का सहयोग रहा है।

चोलापुर विकासखंड के महदा व चौबेपुर खुर्द में किया गया अंबेडकर जयंती संगोष्ठी

इंडिपेंडेंट भारत ब्यूरो।

चोलापुर। आज ग्राम पंचायत महदा में यादव,माली,ठाकुर,चमार,विश्वकर्मा, नाउ जाति से कुल 43 लोगों की भागीदारी रही अम्बेडकर जयंती के विचारों को लेकर संगोष्ठी किया गया। जिसमें कार्यक्रम का संचालन वन्दना व विषय प्रवेश फातिमा द्वारा किया गया कार्यक्रम का शुरूआत वार्ड सदस्य रमावती यादव जी द्वारा माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन स्थायी संगठन कोषाध्यक्ष सावित्री जी द्वारा किया गया वक्ता के रूप में सुबेदार भाई द्वारा बताया गया कि अम्बेडकर जी संविधान वह हमारे देश की वर्तमान स्थिति कहा है अम्बेडकर जी द्वारा बनाये गये संविधान को कितना लागूं हों रहा है वर्तमान समय में । बाबा साहब की क्या सोच की जाति धर्म खत्म हो किन्तु वर्तमान समय में जाति धर्म के नाम पर लोगों में दूरी बढ़ रही भाई चारे की भावना समाप्त हो रही हैं वहीं युवा निरज यादव द्वारा बताया गया कि वर्तमान समय में युवा लोगों भी स्थिति ठीक नहीं है युवा लोग भी पार्टी में बंटकर अपने मुद्दों पर आगे नहीं आते हैं लोगों द्वारा निकल कर आया कि अगली बार हम लोग स्वयं से अम्बेडकर जयंती कार्यक्रम करेंगे।

जाति धर्म को छोड़ शिक्षा की ओर बढ़े डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की संविधानिक पर चले तभी होगी तरक्की धर्मेंद्र सिंटू यादव

वाराणसी से ब्यूरो प्रभारी सर्वेश सिंह की रिपोर्ट हरहुआ /वाराणसी- हमारा देश संविधान को दिन प्रतिदिन भूलता जा रहा है जिसकी कमियां है शिक्षा यदि शिक्षित होंगे तो संविधान का पालन करेंगे क्योंकि डॉ भीमराव अंबेडकर ने इतिहास रच कर गए हैं यदि उस इतिहास को हम लोग याद करें तो तरक्की अवश्य होगी उक्त बातें स्थित शंकरपुर में मांझारी वीर बाबा मंदिर के प्रांगण में लोक समिति के तत्वाधान में लोक चेतना समिति के सहयोग से बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की पहचान एक संविधान निर्माता के तौर पर होती है।इसके अलावा, वह भारतीय विधिवेत्ता, राजनीतिज्ञ, दार्शनिक, मानवविज्ञानी, इतिहासकार और अर्थशास्त्री भी थे।उन्होंने समाज के निचले तबके के उत्थान के लिए ढेरों काम किए थे। आज उनके 132 वीं जयंती पर ग्राम पंचायत शंकरपुर वीर बाबा मंदिर के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. भीमराव अंबेडकर के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर आरती उतार केक काटकर उनके व्यक्तित्व-कृतित्व पर विचार व्यक्त कर सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर समाजवादी पार्टी के मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र सिंटू यादव ने उनके फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित किए। उन्होंने ने कहा कि बाबा भीमराव अंबेडकर के बातों को हम सबको मिलकर सामाजिक व जाति धर्म को छोड़कर आगे बढ़ने की जरूरत है। आगे कि कणी में कहा कि हम सब युवाओं का दायित्व है उनके कहें हुए बातों को मानना होगा तभी तरक्की होगी। मौके पर मौजूद रहे। ग्राम प्रधान मुन्ना यादव, ब्लॉक संयोजक रणजीत कुमार ,नाथूराम, एनम चंदा, बिरामी, वंदना इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

लोक समिति द्वारा डॉ. अम्बेडकर एवं संवैधानिक समाज निर्माण विषयक संगोष्ठी का आयोजन

राहुल चौबे

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर थानान्तर्गत पंडित दीनदयाल मांगलिक भवन, धरसौना में लोक समिति द्वारा डॉ. अम्बेडकर एवं संवैधानिक समाज निर्माण विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया ' विषय प्रवेश करते हुए श्री सुजीत ने कहा बाबा साहब एक ऐसे समाज की स्थापना करने के लिए आजीवन प्रयत्नशील रहे जो समता, समानता, न्याय, स्वतंत्रता और बंधुत्व पर आधारित हो, संविधान की प्रस्तावना में इसी संकल्प की अभिव्यक्ति है' भारत सेवक समाज इंटर कॉलेज के श्री अशोक कुमार राव ने कहा अम्बेडकर जी का जीवन आदर्श समाज के दलित और वंचित वर्ग को आगे बढ़ने को प्रेरित करता है।समाज सेवी मनीष शर्मा ने लोगों का आह्वान किया समाज से गैर बराबरी समाप्त किये बिना समता मूलक समाज की स्थापना नहीं हो सकती। उन्होंने अम्बेडकर जी के अमूल्य योगदान को याद करते हुये कहा बाबा साहब आज भी प्रासंगिक हैं।दलित अधिकारों के लिए संघर्षशील डॉ. अनूप श्रमिक ने आज के माहौल में संविधान आधारित समाज और वास्तविकता

पर चिता व्यक्त करते हुए कहा हताशा और निराशा की स्थिति में बाबा साहब प्रकाश स्तम्भ की तरह हैं। मुख्य वक्ता के रूप में अपनी बात रखते हुए श्रीमती जागृति राही ने कहा बाबा साहब किसी एक वर्ग के नहीं बल्कि पुरे समाज के लिए आदर्श हैं। बाल्यावस्था से ही उनका विजन बहुत स्पष्ट था, विपरीत परिस्थियों में भी अपने सिद्धांतो के प्रति अडिग रहे। आज जब समाज में आदर्शों का अकाल है बाबा साहब एक रोल मॉडल के रूप हैं हमें अपने बच्चों को बताना चाहिए। लोक समिति के ब्लाक अध्यक्ष श्री पंकज कुमार ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद देते हुए कहा बाबा साहब जैसा व्यक्तित्व हमारे देश में अवतरित हुआ हमें गर्व है' दुर्भाग्य से दलित वर्ग प्रलोभनों में फंस कर वास्तविक विकास के रास्ते से भटक गया है' हर घर से अम्बेडकर जैसा व्यक्तित्व निकले ऐसा संकल्प लेना होगा। संगोष्ठी में धरसौना, टिसौरा, ताड़ी, महदा, कटारी, चौबेपुर खुर्द, हथियरकला, रसड़ा, सुल्तानीपुर, भदवां ,से सभी जाति वर्ग के विचारशील लोगों ने भाग लिया।आगंतुक प्रतिभागियों का स्वागत वंदना ने किया। रुखशाना, फातिमा, वंदना यादव, रणजीत ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सराहनीय योगदान दिया।

राष्ट्रीय सहारा
वाराणसी • शनिवार • 15 अप्रैल • 2023

भारतीय संविधान के निर्माता को दी गयी श्रद्धांजलि

शंकरपुर में डॉ. अम्बेडकर की जयंती मनाते ग्रामीण।

चिरईगांव/वाराणसी। स्थानीय विकास खण्ड के विभिन्न ग्राम पंचायतों में भारतीय संविधान निर्माता के रूप में डा. भीमराव अम्बेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गयी। ग्राम पंचायत शंकरपुर के मंझारी बाबा मंदिर परिसर में ग्रामीणों व सामाजिक संगठनों की ओर से 'समतामूलक समाज के निर्माण में संविधान की भूमिका' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुन्ना लाल यादव, धर्मेंद्र यादव सिन्टू, सुरेश कुमार, चारु, झूला आदि ने विस्तार से जानकारी दी। इसी क्रम में क्षेत्र के तरयां, बनकट, पचरांव, खरगीपुर, गोबरहां सहित दर्जनो गांवों में डा. अम्बेडकर की मूर्तियों व चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। देर शाम तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण पुरुष, महिलाओं व बच्चों ने भाग लिया।

ग्रामीण क्षेत्रों में अम्बेडकर जयंती पर निकले जलस

पंचायतको मिले पूरा अधिकार

काशी विद्यापीठ ब्लाक। स्थानीय विकास खंड के औढ़े गांव स्थित लोक चेतना समिति कार्यालय पर शनिवार को पंचायतीराज अधिनियम, स्वशासन और ग्राम स्वराज को लेकर घटता बजट बढ़ती जिम्मेदारी विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि पंचायती राज अधिनियम के 73वें संविधान संशोधन के तहत पंचायत को अपने ग्राम पंचायत के विकास के लिए योजना बनाने एवं उसपर काम करने का अधिकार दिया गया है। इसीलिए इसमें ग्राम स्वराज और

स्वशासन की बात कही गयी है। लेकिन वर्तमान में स्थिति यह है कि पंचायत का बजट दिन पर दिन कम होता जा रहा है और जिम्मेदारी बढ़ती जा रही है। हम स्वतंत्र रूप से कोई योजना ग्राम विकास के लिए नही बना सकते है। हमारी मांग है कि पंचायतीराज अधिनियम के तहत मिले अधिकारों को पूरी तरह से दिया जाय। जिससे कि पंचायतीराज को शसक्त बनाकर देश को मजबूत कर सके। संगोष्ठी में देल्हना, बेटावर, रामपुर, विशोखर, माधोपुर के ग्रामीणों की भागीदारी रही। बैठक में ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष (काशी विद्यापीठ) श्वेता राय,पूनम, शर्मिला, हरिश्चंद्र, विजय, राजकुमार, मनीष, सुरेंद्र, रचना बिंदु, प्रियंका आदि थीं।

स्कूल चलो अभियान के तहत निकली जन जागरूकता रैली

एपीआई न्यूज एजेंसी

रोहनिया। मिसिरपुर में महिला चेतना समिति और किशोरियो, बच्चों द्वारा स्कूल चलो अभियान के तहत जन जागरूकता रैली निकाली गयी। यह रैली गिरि, पटेल, हरिजन, राजभर, यादव बस्ती में स्लोगन के साथ एक बच्चा छूट गया, संकल्प हमारा टूट गया भैया बहना मानों कहना, शिक्षा है हम सबका गहना चाहे जो भी हो मजबूरी, पढ़ना-लिखना बहुत जरूरी को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। और गांव वालों से अपने अपने बच्चों का स्कूल में सत प्रतिशत नामांकन कराने तथा रोज स्कूल साफ सफाई के साथ भेजने हेतु अपील किया। इस रैली में

प्रमुख रूप से शर्मिला, बसंती, सुनीता, श्वेता, शीला, सुशिला, ज्योति, गुंजा यादव, सुभावती सहित संगठन की भागीदारी रही।

राष्ट्रीय सहारा
वाराणसी • मंगलवार • 25 जुलाई • 2023

समूह की महिलाओं ने बीडीओ कार्यालय पर किया धरना-प्रदर्शन

चिरईगांव/वाराणसी। स्थानीय विकास खण्ड के नारायनपुर ग्राम पंचायत में कोटे की दुकान के आवंटन को लेकर दिन प्रति दिन विवाद बढ़ता ही जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को समूह की महिलालाएं कोटा आवंटन में हो रही देरी का कारण पता करने ब्लाक पर पहुंची तो ब्लाक के एक अधिकारी ने बताया कि बीते शुक्रवार को नारायनपुर में कोटे के आवंटन के लिए हुई बैठक निरस्त हो गयी है, अब पुनः बैठक होगी। इतना सुनते ही समूह की महिलाएं आग बबूला हो गयी और थोड़ी देर में भारी संख्या में महिलाएं बीडीओ कार्यालय पर पहुंच कर धरना प्रदर्शन करने लगी। आक्रोशित महिलाओं ने बीडीओ राजेश बहादुर सिंह व एडीओ पंचायत कमलेश सिंह के खिलाफ कोटे की दुकान के आवंटन में धांधली का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की। जबकि दोनों अधिकारी महिलाओं द्वारा लगाये जा रहे आरोपों को गलत बताया।हंगामा बढ़ता देख बीडीओ कार्यालय छोड़कर खिसक लिए और महिलाओं का ज्ञापन नही लिया। इसी बीच बीडीओ के कार्यालय छोड़कर चले जाने के कारण महिलाएं आग बबूला हो गयी।इसी बीच किसी ने बीडीओ कार्यालय पर हंगामे की सूचना सीडीओ को दे दी।सीडीओ के हस्तक्षेप पर बीडीओ पुनः ब्लाक मुख्यालय पर पहुंचे और समूह की महिलाओं का ज्ञापन लेकर समझाने का प्रयास किया लेकिन आक्रोशित समूह की महिलाओं ने बीडीओ व एडीओ पंचायत के खिलाफ नारेबाजी जारी रही। हलांकि ब्लाक पर उपस्थित कुछ संभ्रांत लोगों के समझाने पर महिलाओं ने बीडीओ को ज्ञापन सौपकर धरना समाप्त किया। धरना प्रदर्शन में समूह की मीना, सविता, पूनम, शीला, नीतू, माधुरी, शिवकुमारी सहित दर्जनों महिलाएं मौजूद रही।

कोटे के दुकान के आवंटन में धांधली का लगाया आरोप

—: सम्पर्क :—

लोक चेतना समिति

चिरईगाँव ब्लाक मुख्यालय के पास
पो.– बरियासनपुर, वाराणसी – 221112
फोन – 0542 2616289, मो. 9450249555,

आर्थिक सहयोग के लिए जानकारी

Name - Lok Chetana Samiti
Bank - SBI, Sarnath
Account Number - 10255120233
IFSC - SBIN0004560

loksamiti@yahoo.co.in

www.lcsvns.org

https://www.facebook.com/public/Lok-Chetana-Samiti-Varanasi

http://lcsvns.org/